Need to take stringent action against stone-pelters-Laid

श्री संजय सेठ (राँची): पहले कश्मीर में पत्थरबाजी की घटना सुनने और देखने को मिलती थी । अब पत्थरबाजी की घटना पूरे देश में सामान्य हो चुकी है । ऐसा लग रहा है जैसे देश विरोधी ताकत, राष्ट्रीय स्तर पर पत्थरबाजी का प्रशिक्षण देने का काम कर रही है । राष्ट्र विरोधी तत्वों के संरक्षण में असामाजिक तत्व प्रदर्शन के दौरान पत्थरबाजी कर सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाते हैं । हत्या करते हैं । पत्थरबाजी से प्रशासन और पुलिसकर्मियों को घायल करते हैं । शोभायात्रा के ऊपर पत्थरबाजी करके भी जान-माल का भारी नुकसान पहुंचाते हैं । यह बड़ी राष्ट्रीय समस्या बनती जा रही है, जिस पर विचार करने की आवश्यकता है । विगत वर्ष की बात करूं तो झारखंड की राजधानी रांची सहित पूरे देश में ऐसी लगभग 100 घटनाएं हुई, जहां सामूहिक रूप से पत्थरबाजी कर सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया गया । कई लोगों की जान ली गई, कई लोग गंभीर अवस्था में घायल हो गए । अभी हरियाणा में भी पत्थरबाजी की ऐसी ही घटना हुई । इस मामले की राष्ट्रीय स्तर पर समीक्षा की जाए । एक कठोर कानून बनाया जाए, जिसमें पत्थरबाजों की पहचान कर उन्हें सख्त सजा देने का प्रावधान हो । उनकी संपत्तियां जब्त की जाए और सार्वजनिक संपत्तियों के नुकसान की भरपाई उसे नीलाम करके की जाए ।